Filler Form

UGC NET JRF Paper 2 Sanskrit Free Classes

JRF का जलवा

From:17th January 2022

BY : Nidhu Chaudhary

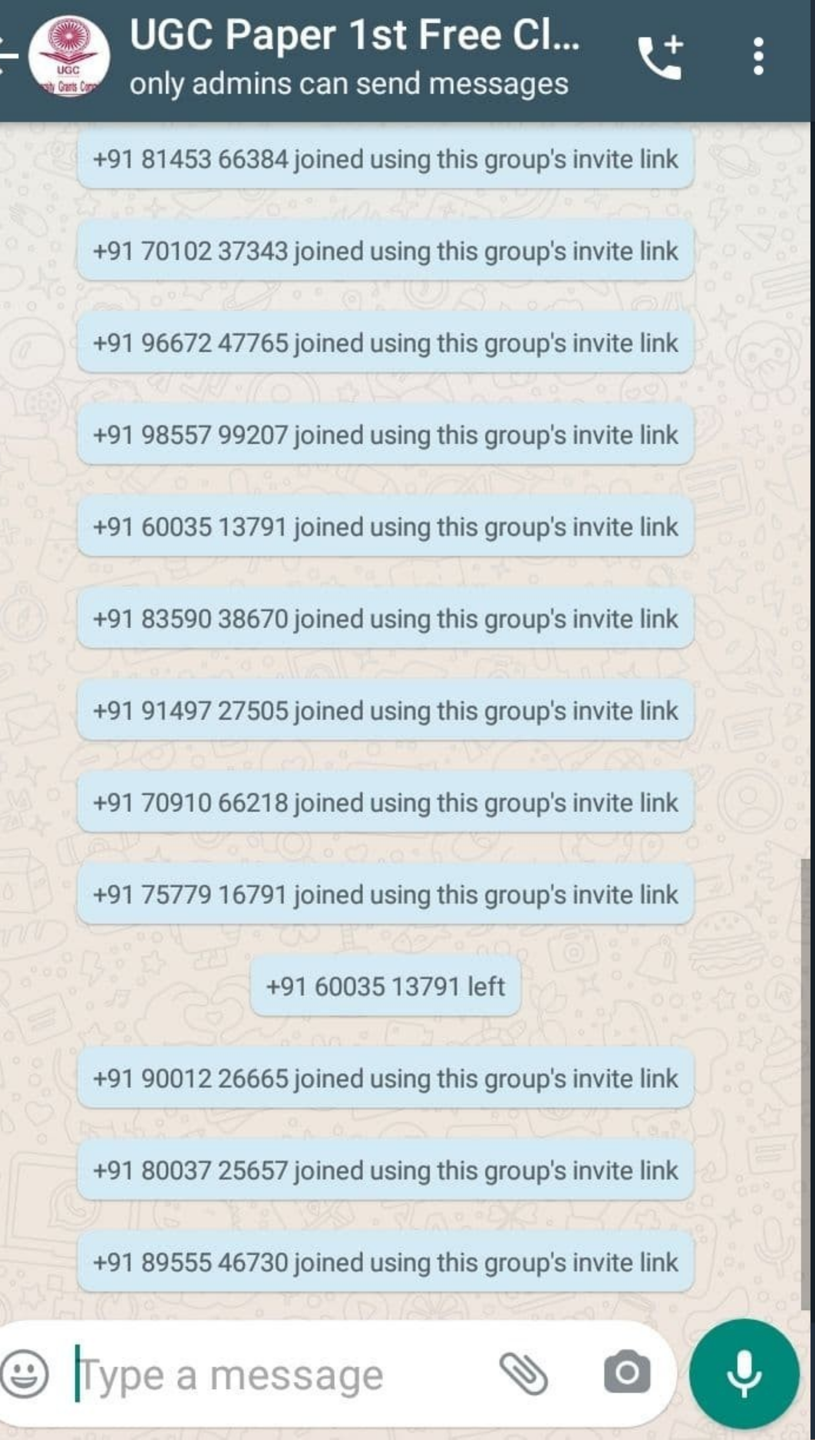
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
UGC
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
rsity Grants Comm
Broadcast

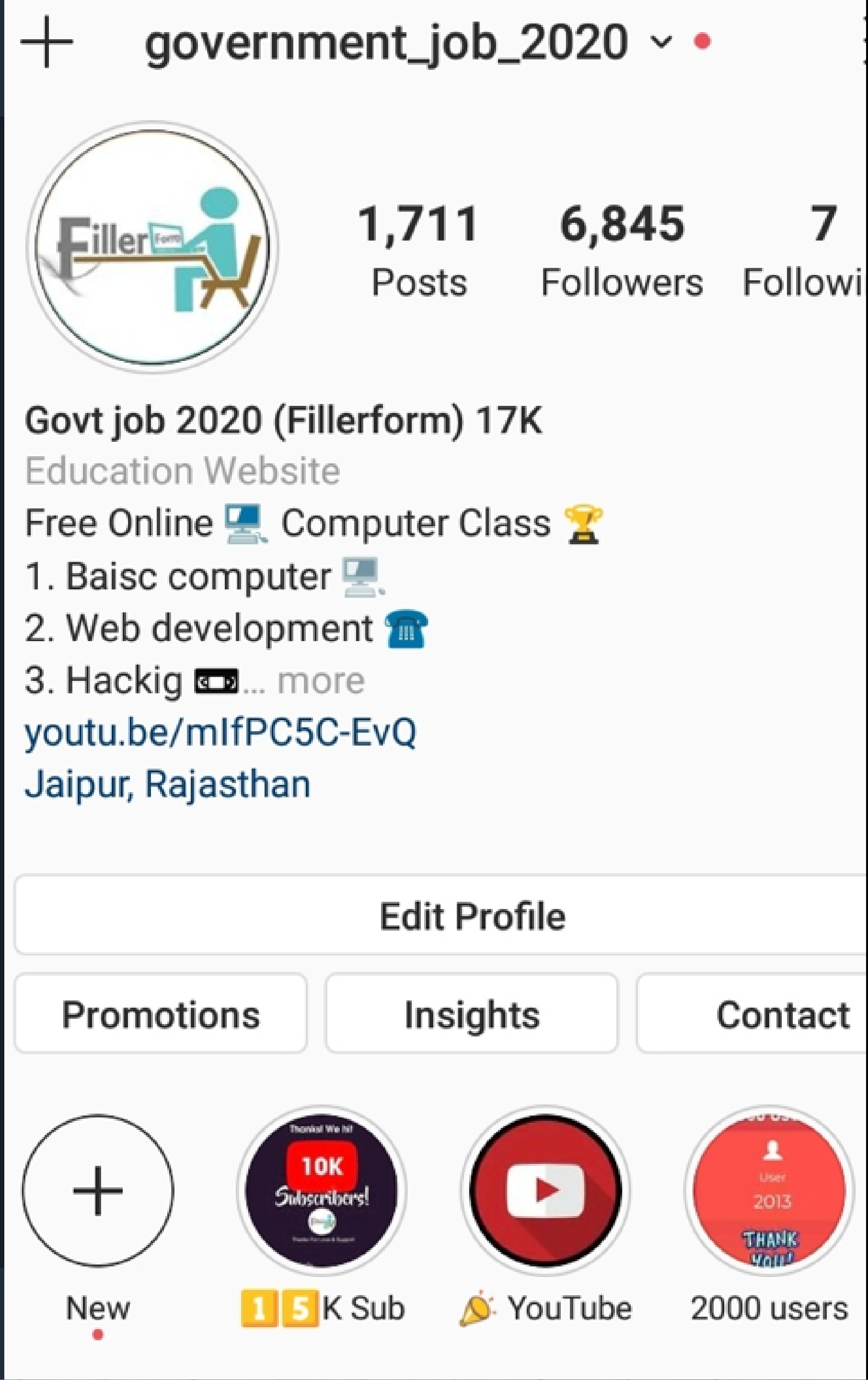
government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Filler
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users
10K
Subscribers!
2013
THANK YOU!

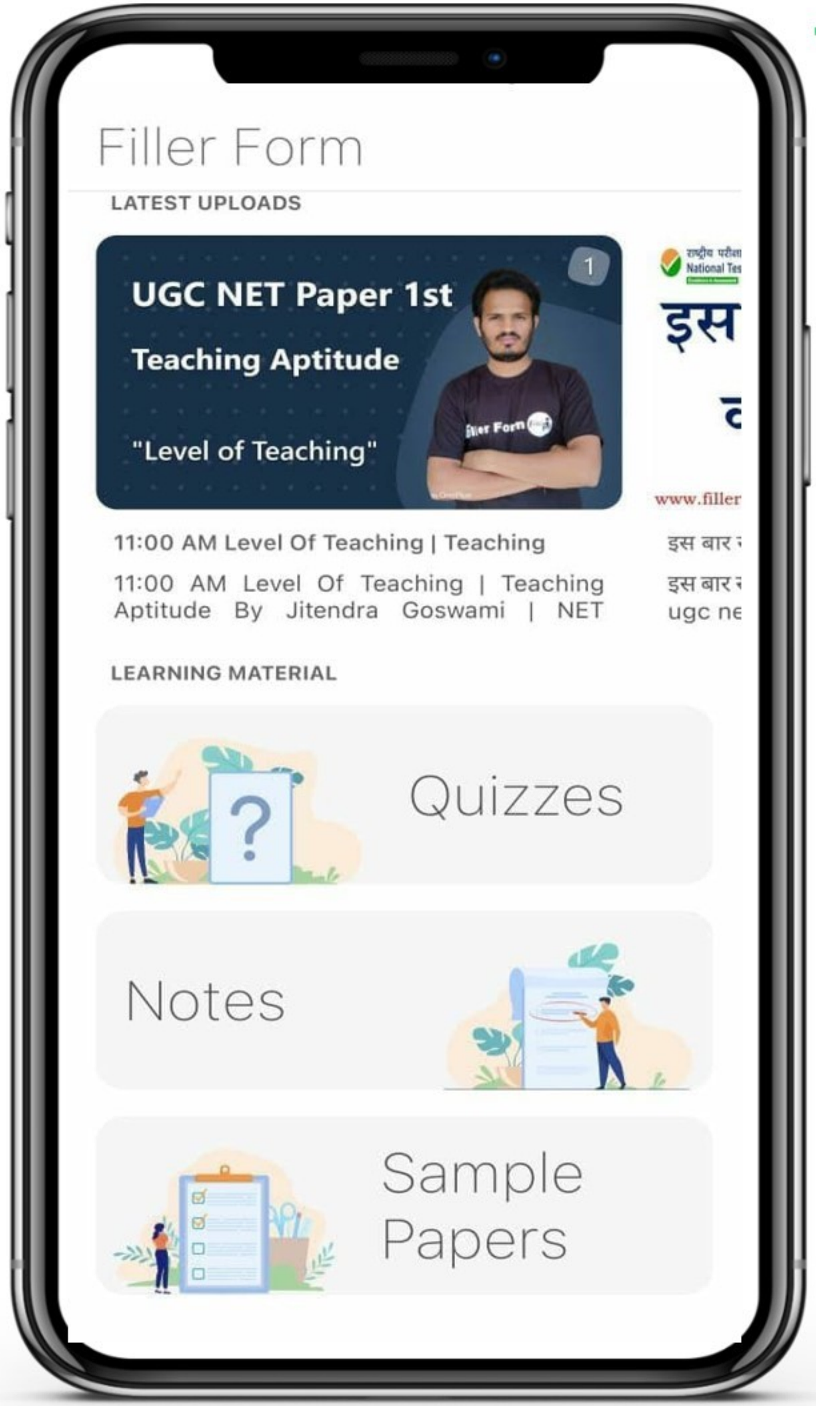

UGC NET 100% Off Free Class

- Free Notes
- Live Class
- 5000+MCQ+PYQ
- Free Books

100% OFF

fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

भाषा के रूप में 'संस्कृत ' शब्द का प्रथम प्रयोग महर्षि वाल्मीकिकृत 'रामायण ' के सुंदरकांड में मिलता है –

यदि वाचंप्रदास्यामि द्विजातिरिव संस्कृताम् ।
रावणं मन्यमाना मां भीता भविष्यति ।। (५/१४)

यहाँ पवनपुत्र हनुमान् मन में विचार करते हैं कि जनकपुत्री सीता से किस भाषा में वार्तालाप किया जाए? वे कहते है कि यदि में द्विज के समान संस्कृत वाणी बोलूँगा तो सीता मुझे रावण समझकर डर जाएगी।

उपयुक्त उदाहरण से स्पष्ट होता है कि रामायण-काल में संस्कृत केवल मनुष्य की ही भाषा नहीं थी, बल्कि मानवेतर प्राणी भी संस्कृत बोलते थे।

82098378
44

www.ugc-net.com

* 'संस्कृत' शब्द की उत्पत्ति कैसे हुई ?

‘सम्' उपसर्ग पूर्वक 'कृ' धातु और 'क्त' प्रत्यय
(सम् +सुट् +कृ+क्त)
से निष्पन्न 'संस्कृत ' शब्द का अर्थ संस्कार की गई भाषा हैं

प्रकृति और प्रत्यय के विभाग और संयोग के संस्कार से युक्त, परमात्मा के मुख से निःसृत, और जनसाधारण के मध्य देववाणी के रुप में प्रतिष्ठित संस्कृत सर्वसाहित्य समद्धार वैज्ञानिक भाषा हैं ।

82098378
44

www.ugc-net.com

भाषाविज्ञान की दृष्टि में........

भाषाविज्ञान की दृष्टि में संपूर्ण विश्व में सभ्यता और संस्कृति के विकास में जिन दो भाषाओ ने अपना अप्रतिम योगदान दिया, उनमें प्रथम आर्यभाषा और द्वितीय सेमेंटिक भाषा (सामी) है।

आर्यभाषा की दो शाखा हैं।

१. पूर्वी

२. पश्चिमी

82098378
44

www.ugc-net.com

पूर्वी शाखा के अंतर्गत दो मुख्य शाखाएँ हैं।

१. ईरानी (जेन्द अवेस्ता)

२. भारतीय

इसमें पारसियों के धर्मग्रंथ लिखे गए हैं। इस प्रकार भारतीय भाषा के अंतर्गत सर्वोच्च और प्राचीनतम संस्कृत हैं।

82098378
44

www.ugc-net.com

संस्कृत नाम दैवी वागन्वाख्याता महर्षिभिः । (१/३३)

यास्क और पाणिनि के ग्रंथ में भी व्यवहार में आनेवाली बोली को भाषा ही कहा गया है -

भाषायामन्व यायज्च । (निरूक्त -१/४)

भाषायाँसदवसस्त्रुवः । (अष्टाध्यायी -३/२/१०८)

82098378
44

www.ugc-net.com

पश्चिमी शाखा के अंतर्गत युरोप की सभी प्राचीन और आधुनिक भाषाएँ , यथा- ग्रिक, लैटिन, फ्रैंच, अँगरेजी, जर्मन इत्यादि आती हैं।

संप्रति संस्कृत - भाषा के दो रूप हमारे मध्य प्रचलित है -

१. वैदिक संस्कृत (वेदभाषा)

२. लौकिक संस्कृत (लोकभाषा)

भारतीय आर्यभाषाओं में सबसे प्राचीन वैदिक संस्कृत हैं।

इसमें......

वेद,

उपनिषद्,

ब्राह्मण इत्यादि लिखे गए हैं।

लौकिक संस्कृत का प्रथम आर्षकाव्य महर्षिवाल्मीकि -रचित 'रामायण' है

और उनके मुख्य से निकाला जिसका प्रथम काव्य-पंक्ति हैं -

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः ।
यत्क्रौञ्चमिथुनादेकमवधीः काममोहितम् || (रामायण १/२/१५)

: कल हम,

वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय देखेंगें....

जिसमै.....

वेदो का रचनाकाल

विविध आचार्यों का मत

FEEDBACK

For More Information

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com

8209837844